कॉमर्शियल पायलटों की कमी

85. श्री उदय प्रताप सिंह: क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान देश में कॉमर्शियल पायलटों की कमी की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो देश में कॉमर्शियल पायलटों की कमी को दूर करने के लिए क्या कदम उठाये गए हैं?

नागर विमानन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री प्रफुल्ल पटेल): (क) और (ख) एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया हैं

विवरण

(क) जी हां।

(ख) सरकार ने कुशल पायलटों की मांग और आपूर्ति के बीच अन्तर को घटाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इन कदमों में पायलटों के लिए निर्धारित शर्तों के तहत व्यावसायिक परिवहन प्रचालनों के लिए उनके लाइसेंसों के विशेषाधिकारों का उपयोग करने के उद्देश्य से आयु सीमा क्रे सशर्त 65 वर्ष तक बढ़ाना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी की प्रशिक्षण क्षमता को बढ़ाने के लिए इसकी प्रशिक्षण संबंधी अवसंरचना का स्तरोन्नयन तथा आधुनिकीकरण, गोन्दिया, महाराष्ट्र में एक विश्वस्तरीय उड़ान प्रशिक्षण संस्था की स्थापना और उड़ान क्लबों को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए)/एयरो क्लब ऑफ इंडिया (एसीआई) के माध्यम से प्रशिक्षक विमान आबंटित करके सहायता देना शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, नागर विमानन महानिदेशालय ने कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए देश में कुल 20 उड़ान प्रशिक्षण संस्थान (इग्नुआ सहित) को अनुमोदन प्रदान कर दिया हैं

Shortage of commercial pilots

†*85. SHRI UDAY PRATAP SINGH: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn towards the shortage of commercial pilots in the country; and

(b) if so, the details of steps taken to meet the shortage of commercial pilots in the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI PRAFUL PATEL): (a) and (b) A Statement is placed on the Table of the House.

†Original notice of the question was received in Hindi.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The Government has taken various steps to reduce the gap between demand and supply of skilled pilots. These include conditionally increasing the age-limit to 65 years for exercising the privileges of their licences for commercial transport operations under prescribed conditions for pilots, upgradation and modernisation of training infrastructure of Indira Gandhi Rashtriya Uran Akademi (IGRUA) to enhance its training capacity, setting up of a world class flying training institute at Gondia, Maharashtra and assistance to flying clubs by allocating trainer aircraft through Directorate General of Civil Aviation (DGCA)/Aero Club of India (ACI). Besides, DGCA have approved a total of 20 flying training institutes (including IGRUA) in the country for imparting Commercial Pilot Licence (CPL) training.

श्री उदय प्रताप सिंह: माननीय सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है, वह संतोषजनक नहीं है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या आपकी जानकारी है कि ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: कृपया शांति बनाए रखे, ताकि माननीय सदस्य जो प्रश्न कर रहे हैं, वह सब के सुनने में आ जाए।

श्री उदय प्रताप सिंह: एलायंस एयरवेज में कितने विदेशी पायलट्स कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे हैं? आपके यहां कितने पायलट्स की जरूरत है और कितनों की कमी है? जब तक आप यह फिगर नहीं देंगे, तब तक आपने जो उत्तर दिया है, वह बहुत संतोषजनक नहीं है। मेरा सीधा सा सवाल है कि क्या आपकी यह जानकारी है कि एलायंस में और दूसरी एयरवेज में, जो आपके अन्डर हैं, उनमें जो विदेशी पायलट्स को कॉन्ट्रैक्ट पर रखा गया है, उनकी संख्या क्या है, कितनी है तथा आपको कितनों की और जरूरत है?

श्री प्रफुल्ल पटेल: सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न किया है कि पायलटों की कमी है, निश्चित तौर पर हमारे देश में कॉमर्शियल पायलटों की कमी है, क्योंकि अब यह सेक्टर सभी जगहों पर तेजी से बढ़ रहा है। इस कमी की पूर्ति के लिए हम लोगों ने कई उपाय किए हैं ताकि इनकी संख्या में वृद्धि हो, लेकिन उसके पश्चात् भी हमें यहां पर ट्रेंड पायलट, क्योंकि पायलटों की संख्या होने पर भी क्वालिफाइड पायलट, जो कमांडर होते हैं, जो पैसेंजर ट्रैफिक यातायात करते हैं, इनकी कमी है और इस कमी को पूरा करने के लिए विदेशी पायलटों को भी एलाऊ किया गया है। उसकी वजह से, अगर आप चाहें, तो किस एयरलाइन्स में कितने पायलट काम करते हैं, मैं आपको यह जानकारी दे सकता हूं।

श्री उदय प्रताप सिंह: माननीय सभापति जी, मेरा सवाल तो सीधा-सीधा यह है कि क्या आपने कोई ऐसा आंकलन किया है कि आगामी पांच साल में इतने पायलटों की आवश्यकता होगी और जो कदम आप उठा रहे हैं, उनसे उनकी आपूर्ति संभव है? या फिर आप आगे भी विदेशी पायलटों पर निर्भर करेंगे?

श्री प्रफुल्ल पटेल: सभापति जी, एक बात तो आप निश्चित रूप से स्वीकार करेंगे कि हमारे देश में जो पायलटों की संख्या है और जिस रफ्तार से उनकी हमें जरूरत है, उसकी अचानक पूर्ति हम नहीं कर सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से इसके लिए हमारे कई उपाय हैं। डीजीसीए के माध्यम से नए-नए फ्लाइंग इंस्टीट्यूट्स को, जो क्वालिफाइड रिक्वायरमेट पूरी करते हैं, उनको मंजूरी दे रहे हैं, जो हमारी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी है, उसमें जो पायलट तैयार करने की संख्या 40 थी, उसको बढ़ाकर 100 तक करने की हमारी योजना है एक दूसरी भी नेशनल इंस्टीट्यूट को हम प्रोमोट करने जा रहे हैं, जो ज्वाइंट वेंचर में होगी। इसके अलावा वर्तमान में जो हमारे पायलट हैं, उनकी रिटायरमेंट की उम्र 58 साल से 65 साल हमने इसलिए बढ़ाई है, क्योंकि आज के जमाने में 65 साल में से ऐसा नहीं होता कि कोई अस्वस्थ हो जाए, लेकिन उसके पश्चात् भी चूंकि इसमें पैसेंजर्स का सवाल आता है, हम उनका फिजिकल टेस्ट और यह सब नियमित तौर पर कराकर इस कमी को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि जिस तरह से यह क्षेत्र बढ़ रहा है, इसमें नए-नए इंस्टीट्यूट आगे आकर हमारे यहां जितने पायलटों की जरूरत है, यह कमी निश्चित रूप से वे पूरी करेंगे। अब कितने पायलट लगेंगे, यह तो जिस तरह से हमारे देश में ग्रोथ हो रहा है, उसकी वजह से आगे आने वाले पांच-दस वर्षों में हमारे यहां कम से कम दो-तीन हजार पायलटों से ज्यादा की आवश्यकता जरूर हो सकती है।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, मंत्री जी ने अपने लिखित उत्तर में उन उपायों का जिक्र किया है, जो पायलटों की कमी को दूर करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। मैं बहुत संक्षेप में केवल इतना सवाल पूछना चाहती हूं कि नॉर्थ-ईस्ट सेक्टर में जो यह कमी सबसे ज्यादा है, जिसके लिए हमारी विभागीय समिति ने एक सुझाव दिया था कि कॉमर्शियल पायलट ट्रेनिंग कॉलेज गुवाहाटी या शिलांग में जब तक नहीं खोला जाएगा तब तक यह कमी पूरी नहीं होगी। क्योंकि अगर वहां के बच्चे ट्रेनिंग नहीं लेंगे और बाहर वाले वहां जाकर रहना नहीं चाहते, तो कमी बनी रहेगी। उस सुझाव पर आपने क्या कोई गौर किया है?

श्री प्रफुल्ल पटेल: सभापति जी, यह सुझाव निश्चित रूप से अच्छा है। मैं आपकी जानकारी के लिए यह कहना चाहूंगा कि अभी कुछ दिन पूर्व ही डेडीकेटेड नॉर्थ-ईस्ट के लिए एक एअरलाइन्स ने परमीशन मांगी थी और उन्होंने कहा था कि हम उसमें गुवाहाटी बेस्ड करके वहां से सीधे विमानों को वहां पर नार्थ-ईस्ट के यातायात के लिए लगाएंगे। हमने इसी वजह से एक गो-एअरलाइन्स को अभी-अभी परमिशन दी है। आपका सुझाव सही है कि वहां के स्थानीय बच्चों को जब तक ट्रेनिंग नहीं मिलेगी, तब तक कमी रह सकती है। मैं आपको इतना जरूर कहना चाहूंगा कि जो कुछ भी निश्चित कदम इस ओर उठाने होंगे, वे उठाने के लिए हम पूरा प्रयास करेंगे।

श्रीमती सुषमा स्वराज: धन्यवाद, मंत्री जी।

श्री शरद यादव: माननीय सभापति जी, मेरा सवाल है, वह संक्षेप में यह है कि जो इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम है, चूंकि अब तो मौसम बहुत खराब आने वाला है, कितने पायलट इसके लिए तैयार किए गए हैं? क्या संभव है कि इस मौसम में कुछ सुधार होगा?

श्री प्रफुल्ल पटेल: सर, यह जो आधुनिक यंत्र है केट-टू केट-थ्री, इनके लिए पायलटों की ट्रेनिंग की संख्या, मतलब ट्रेंड पायलट की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। हमारे पास अभी चार एअरलाइन्स की फिगर है। एयर इंडिया के पास केट-टू के लिए 141, केट-थ्री के लिए 44 और केट-थ्री बी के लिए 36 कमांडर, कमांडर के साथ जो पायलेटिंग सेकेंड-इन-कमांड होता है, उनकी भी संख्या है। इंडियन एयरलाइंस की भी उसी प्रकार से संख्या है, जेट एयरवेज, सहारा एयरवेज़ का भी है। मैं एक बात निश्चित रूप से आपको कहना चाहूंगा कि पायलेट्स का CAT-2 और 3 का जो ट्रेनिंग की सवाल है, यह एक समय के आधार पर होता है, ऐसा अचानक नहीं होता कि 15 दिन या महीने का एक कोर्स किया और CAT-2 और 3 का कोर्स हो गया, इसके साथ अनुभव और साथ-साथ समय-सीमा, इन दोनों का संगम होता है।

श्री सभापति: मंत्री महोदय, आपका कोर्स तो पूरा हो गया। क्वेश्चन ऑवर खत्म होता है।

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Losses suffered by domestic airlines

*86. SHRI TARIQ ANWAR: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that almost all the domestic airlines are incurring low profits and even in some cases losses as compared to the previous year;

(b) if so, the details thereof; airline-wise;

(c) what are the reasons for this; and

(d) the details of steps taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI PRAFUL PATEL): (a) and (b) Some airlines have reported that they are incurring low profit and even losses. However, authentic figures are presently not available as the accounts of the financial year will be available only at the end of the financial year.